

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,  
सचिव एवं विधि परामर्शी,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड,  
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : २५ जनवरी, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-2007 के लिए धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 215/2005-06, दिनांक 11.12.2006 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या: 3-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06, दिनांक 11.5.2006 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 में मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में रुपये 60,000/- (रुपये साठ हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि को व्यय किये जाने स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन महामहिम राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) कृपया प्रत्येक माह होने वाले व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 के माध्यम से विलम्बतम 20 तारीख तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें ।
- (2) उपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल, वित्त हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।
- (3) उपर्युक्त सुसंगत मद में अंकित धनराशि से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजन-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-03-महाधिवक्ता-00-08-कार्यालय व्यय के नामे डाला जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या वृ०ओ० 30/XXVII(5)/2007, दिनांक 18.1.07 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

( आर०डी०पालीवाल )

सचिव ।

संख्या : 7-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाय एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड फ़ाइल ।

आपका से,

( आलोक कुमार वर्मा )

अपर सचिव ।